

वर्शिव का पहला सरिमकि वेस्ट पार्क

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश में शीघ्र ही 'अनोखी दुनिया' नामक वर्शिव का प्रथम पार्क उद्घाटित होने जा रहा है, जो पूर्णतः [सरिमकि अपशष्टि](#) से नरिमति है।

- सरिमकि एक **अकार्बनकि तथा अधात्वकि पदार्थ** है, जसि प्रायः **मटिटी अथवा ऑक्साइड** जैसे खनजिों को आकार देकर तथा उच्च तापमान पर पकाकर **कठोर एवं दीर्घकालकि उत्पाद** के रूप में तैयार किया जाता है।

मुख्य बढि

- **स्थान:** यह पार्क राज्य की 'सरिमकि राजधानी' के रूप में प्रसदिध **खुरजा** (जिला बुलंदशहर) में स्थापति किया गया है और सतिंबर के अंत तक आम जनता के लयि खोल दिया जाएगा।
- **नरिमाण:** बुलंदशहर-खुरजा विकास प्राधिकरण (BKDA) द्वारा [सार्वजनकि-नजी भागीदारी \(PPP\)](#) मॉडल पर विकसति इस पार्क का नरिमाण **2 एकड़ क्षेत्रफल** में किया गया है, जसिकी लागत लगभग **5.86 करोड़ रुपए** है।
- **वशिषता:** इस पहल के अंतर्गत **80 टन से अधिक** सरिमकि अपशष्टि को कलात्मक रूप प्रदान किया गया है।
- **कलात्मक योगदान:** छह कलाकारों तथा 120 कारीगरों की टीम ने मलिकर लगभग **100 सरिमकि कलाकृतियाँ** तैयार की, जनिमें 28 बड़े इंस्टॉलेशन भी शामिल हैं।
 - टूटे घड़े, प्याले और केलयिों को पुनः उपयोग में लाकर इन्हें जीवंत तथा आकर्षक रूप प्रदान किया गया है।
- **महत्त्व**
 - यह अभनिव परयोजना [सतत विकास](#) और [सांस्कृतकि संरक्षण](#) की दशिा में एक बड़ी उपलब्धि है।
 - यह राज्य सरकार की ['एक जिला-एक उत्पाद \(ODOP\) पहल'](#) के उद्देश्यों के अनुरूप पारंपरिक उद्योगों को प्रोत्साहन देती है।
 - इसके माध्यम से खुरजा की वशिष्टि शलिपकला को न केवल राष्ट्रीय स्तर पर, बल्कि वैश्वकि स्तर पर भी पहचान प्राप्त होगी।